SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha, signed by the Secretary-General, Lok Sabha:-

(I)

"In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Finance Bill, 2003, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 30-h April, 2003.

The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill within the meaning of article 110 of the Constitution of India.

(II)

"In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Indian Council of World Affairs (Amendment) Bill, 2003, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 2nd May, 2003."

Sir, I lay a copy each of the Bills on the Table.

———————

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Reported distribution of Trishuls by International General Secretary of VHP in a function organised in Delhi

श्री सभापति : श्री सुरेश पचौरी । आप संक्षेप में बोलिएगा ।

श्री सुरेश पचौरी (**मध्य प्रदेश**) : आदरणीय सभापति महोदय, जो आपकी आज्ञा होगी, उसको शिरोधार्य किया जाएगा ।

श्री सभापति : आज्ञा तो पहले हो गयी, शिरोधार्य अब करना है ?

श्री सुरेश पचौरी : परम आदरणीय सभापति महोदय, पिछले कुछ दिनों से हमारे देश के विभिन्न भागों में त्रिशूल वितरण समारोह विश्व हिन्दू परिषद् के द्वारा आयोजित किये जा रहे हैं । कल ही दिल्ली में, जो केन्द्र सरकार के अधीन है यूनियन टैरिटरी होते हुए, क्योंकि लॉ ऐण्ड ऑर्डर सिचुएशन की जिम्मेवारी केन्द्र सरकार की है , उनकी आंखों के सामने और नाक के तले त्रिशूल वितरण समारोह विश्व हिन्दू परिषद् के अंतर्राष्ट्रीय महावचिव के द्वारा दिए गए आपत्तिजनक और उत्तेजक वक्तव्य के साथ आयोजित किया गया । एक ऐसा व्यक्ति जो समय समय पर इस देश के परम आदरणीय प्रधानमंत्री और आदरणीय गृह मंत्री से चर्चा करता रहा हो और इस केन्द्र सरकार के द्वारा जिसे

सुरक्षा प्रदान की गयी हो, जिसका संरक्षण प्राप्त हो, ऐसे आपत्तिजनक रूप से त्रिशूल वितरण करे और खास तौर से छोटे-छोटे बच्चों को करे, इस संबंध में मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार ने इसी सदन में कहा था कि यह ऐक्ज़ामिन कराएगी कि जिस आकार के त्रिशूल का वितरण किया जा रहा है, वह ऐज़ पर लॉ, ऐज़ पर आर्म्स ऐक्ट परमिसिबल है कि नही । यदि नहीं है तो सरकार उस दिशा में कार्यवाही करेगी । इसी सदन में गृह राज्य मंत्री स्वामी जी द्वारा यह वक्तव्य दिया गया था लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की गयी । एक तरफ तो ऐसे व्यक्ति के द्वारा इस देश के आदरणीय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ तथा दूसरे राजनैतिक दलों के जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक और उत्तेंजक बातें कही जाती हैं, दूसरी तरफ जिस पाकिस्तान से माननीय प्रधानमंत्री जी चर्चा कर रहे हैं, उस पाकिस्तान के लिए अपशब्द का प्रयोग किया जाता है और तीसरी तरफ छोटे-छोटे बच्चों में त्रिशूल वितरण करके, उस आकार के त्रिशूल वितरित किए जाते हैं और एक धार्मिक उत्तेजना और साम्प्रदायिक भावना फैलायी जाती है । क्या सरकार के द्वारा इस संबंध में कोई ऐसा कदम उठाया जाएगा ताकि इस पर रोक लगायी जा सके ? मान्यवर, इसको धार्मिक भावना कहा जाता है । महोदय, दो सैंटीमीटर मल्टीप्लाईड बाय एक सैंटीमीटर का घाव किसी की हत्या के लिए काफी होता है लेकिन जिस आकार के त्रिशूल का वितरण किया जा रहा है और जो फोटोग्राफ दिखाए जा रहे हैं, उनमें तलवार और त्रिशूलों को ओपनली वितरित करते हुए दिखाया गया है । मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार इस संबंध में क्या सोचती है ? हम चाहते हैं कि गृह मंत्री जी इस संबंध में वक्तव्य दें । यह बहुत ज्यादा जरूरी हो गया है । इसको धार्मिक भावना से बताया जा रहा है । त्रिशूल भगवान शंकर जी का पवित्र चिन्ह है । यह सत, रज और तमस गुणों का प्रतीक होता है । ऐसे गुणों के प्रतीक के सहार त्रिशूल के सहारे अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने का प्रयास जो लोग कर रहे है, धार्मिक भावना ...(**व्यवधान**)... का जो लोग प्रयास कर रहे हैं, साम्प्रदायिक भावना फैलाकर विभिन्न जातियों के बीच में जो विषवमन कर रहे हैं, आर्म्स ऐक्ट के तहत उनके खिलाफ कार्यवाही हो, पोटा के तहत उनके खिलाफ कार्यवाही हो, राजद्रोह के तहत उनके खिलाफ कार्यवाही हो। उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाया जाए । हम चाहेंगे कि सरकार और विशेष रूप से गृह मंत्री जी इस संबंध में वक्तव्य दें । उनके खिलाफ जो ऐसे कार्यक्रमों में शरीक होते हैं, उन्होंने खुले रूप से कहा है कि मुझे भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है । हम जानना चाहेंगे कि प्रधानमंत्री जी जो भारतीय जनता पार्टी के शीर्षस्थ स्थान पर हैं, उनकी इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है ? यदि ऐसा व्यक्ति अपनी गतिविधि बंद नहीं करता हैं तो उसकी सिक्योरिटी विदड्रॉ होनी चाहिए और उसके खिलाफ कठोर से कठोर कानूनन कदम उठाए जाने चाहिए, ऐसा मेरा आपसे आग्रह है । साथ ही गृह मंत्री जी को आज ही इस सदन में एक वक्तव्य देना चाहिए क्योंकि उन्होंने कहा है कि हम देश में 5 करोड़ लोगों को त्रिशूल बांटेंगे । महोदय, ज़रा कल्पना कीजिए कि 5 करोड़ लोगों के हाथों में ऐसे घातक हथियार जब पहुंचेंगे तो देश की क्या अवस्था हो जाएगी । इसलिए गृह मंत्री जी को इस सदन में अपना एक वक्तव्य ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल): महोदय, सरकार ने कहा था कि वह इसकी जांच कराएगी कि यह आर्म्स ऐक्ट के तहत आता हैं या नहीं - इस बयान का क्या हुआ ? यह तो सरकार का वादा था । ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बैठिए..... आप बैठिए.... बोलने दीजिए । ...(व्यवधान) ... मुझे यह दिखाने की ज़रूरत नही हैं । ...(व्यवधान)... श्री पचौरी ने जो कहा है, वह काफी है । मैं समझता

हूं कि आप इससे ज्यादा कुछ नही कह सकते । ...(व्यवधान)... आप बैठिए । अब माननीय मंत्री महोदया बोल रही हैं । वे कुछ कहना चाहती हैं । ...(व्यवधान)...

डा. अबरार अहमद (राजस्थान) : महोदय, ये त्रिशूल...

श्री सभापति : बैठिए... बैठिए । क्या आप पचौरी जी में विश्वास नहीं करते ? उन्होंने सारा मामला साफ तौर पर बता दिया हैं ।...(व्यवधान)...

SHRI NILOTPAL BASU : Sir, the main issue is: unless the Government comes out clearly, we feel that the Government is protecting him ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : गवर्नमेंट को बोलने दीजिए । गवर्नमेंट रिस्पॉन्ड कर रही है । आप बैठिए... आप बैठिए । ...(व्यवधान)... यह गलत बात है । बैठिए .... यह रिकॉर्ड में नही जाएगा । ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए । मंत्री महोदया, बोलिए ।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : सभापति जी, माननीय सांसद सुरेश पचौरी जी ने जो प्रश्न उठाया है, मैं अभी गृह मंत्री जी को उससे अवगत करा दूंगी और फिर उनका क्या निर्णय होगा, वह आप जानें ।

श्री सभापति : ठीक है । ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु : सर, सरकार को बताना होगा । ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : देखिए, आप चाहते क्या हैं? आप बैठिए... एक मिनट, बैठिए । ...(व्यवधान)... आप चाहते क्या हैं ? मुकदमा चले या न चले, आप चाहते क्या हैं ? श्री सुरेश पचौरी और डा. मनमोहन सिंह, दोनों ने मुझे कहा था कि इस पर हम सदन में चर्चा करना चाहते हैं । मामला उठा दिया । अब माननीय मंत्री महोदया कह रही हैं कि मैं गृह मंत्री जी के नोटिस में इसको ला रही हूं । ...(व्यवधान) अगर आप इस मामले में पॉज़िटिव रिप्लाई चाहते हैं, गवर्नमेंट को आपने चांस दे दिया । ...(व्यवधान)...

श्री लालू प्रसाद (बिहार) : हम लोगों की सुन लीजिए ।

श्री सभापति : आपकी तो क्या सुनूं मैं । ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु : गवर्नमेंट तो पहले ही चुप हैं । गवर्नमेंट ने अपना पहले का वादा पूरा नहीं किया । सरकार इस मामले में जो ढुलमुलपन कर रही है, उससे पता चलता है कि ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : मिस्टर बसु, एक मिनट सुन लीजिए । मैंने इसी आधार पर माननीय सदस्य को अनुमति दी थी कि ये मामला उठा दें और मामला उठाने के बाद सरकार किस तरह से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करती है, हम उनको अवसर दें ।...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु : सरकार बिलकुल खामोश है ।

श्री सभापति : सरकार बोलेगी ।

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): Sir, we are not satisfied with the reply given by the hon. Minister. The matter is far too serious. This is a deliberate attempt to create disturbances in the capital city of our country. It has larger implications nationally and internationally. Hence, we request the Government to take this matter seriously. We need a definite assurance that the hon: Home Minister would, in fact, make a statement today. Thank you.

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, मैं ऐश्योरेंस कैसे दे दूं ? मैंने बताया कि मै अवगत करा दूंगी ।

श्री लालू प्रसाद : महोदया...

श्री सभापति : श्री आप बैठ जाइए लालू जी । आप कुछ मत कहिए । ...(व्यवधान)...उनको बात करने दीजिए । कोई भूकम्प आ रहा है क्या ? मेरी समझ में नहीं आता । ...(व्यवधान)... मेरी समझ में नही आता, त्रिशूल इतने दिनों से बांटे जा रहे हैं, आपको मामला उठाने की मैंने अनुमति दी और अनुमति के बाद आप तुरंत जवाब चाहते हैं । वे कह रही हैं कि मैं मंत्री महोदय के ध्यान में यह मामला लाऊंगी । उनका रिस्पॉन्स आने दीजिए, कोई भूकम्प नहीं आ रहा है । ...(व्यवधान)... यह नही होगा । ...(व्यवधान)... जवाब आएगा । मैं दिलवाऊंगा । श्री विजय राघवन, बोलिए ।

Loss of human lives in communal riot at Marad in Calicut district of Kerala

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala): Thank you, Mr. Chairman, Sir. I am here to raise a very serious issue.

श्री सभापति : मैं यह चाहता हूं कि मामले उठें और सरकार का उन पर रेसपांस आए, लेकिन सरकार को मौका देना चाहिए । मैंने आपको मामला उठाने का मौका दिया । सरकार के पास मैंसेज जाएगा । अब सरकार क्या रेसपांड करती है, उसको देखना चाहिए, उसका इंतजार करना चाहिए । ...(व्यवधान)... नहीं, मैं एलाउ नहीं करूंगा । ...(व्यवधान)... जब मैं आपको कह दिया है। ...(व्यवधान)... अब इस मामले में मनमोहन सिंह जी के बाद Nothing will go on record. ...(व्यवधान)...

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra) : Then, we will walk out. *...(Interruptions)...*